**रेल दुर्घटनाओं की संख्या**

850. **श्रीमती सुषमा स्वराज :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान सरकार द्वारा पद संभालने के बाद हुई रेल दुर्घटनाओं की संख्या कितनी है ;

(ख) इन दुर्घटनाओं में मृत और घायल हुए व्यक्तियों की संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) मृत तथा घायलों के लिए सरकार द्वारा भुगतान किए गए मुआवजे की कुल धनराशि कितनी है;

(घ) इस प्रकार की दुर्घटनाएं होने के क्या कारण हैं; और

(ङ) भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन)** : (क) और (ख) 21.6.1991 से 25.8.1991 तक की अवधि के दौरान 112 गाड़ी दुर्घटनाएं हुई। इन दुर्घटनाओं में 29 व्यक्ति मारे गए और 110 व्यक्तियों को चोटें आई।

(ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(घ) और (ङ) ये दुर्घटनाएं मुख्यत: मानवीय विफलता, उपस्कर की खराबी और तोड़-फोड़ के कारण हुई। दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से किए जा रहे कुछ महत्वपूर्ण उपायों में मानवीय तत्व की सहायता के लिए तकनीकी यंत्रों का उपयोग संवेदनशील संस्थापनाओं का गहन और बार-बार निरीक्षण, महत्वपूर्ण संरक्षा कोटियों के कर्मचारियों, जैसे ड्राइवरों, गार्डों, स्टेशन मास्टरों, आदि के कार्य-निष्पादन पर नजर रखना, रिचालनिक कोटियों के कर्मचारियों का हन प्रशिक्षण तथा उनकी मनोवैज्ञानिक जांच, यात्री गाड़ियों में ज्वलनशील/विस्फोटक सामग्री ले जाने के विरु. अचानक जांच, बिना चौकीदार वाले समपारों के पहुंचमार्गों पर सीटी बोर्डों/गति अवरोधकों और सड़क संकेतों की व्यवस्था और सड़क उपयोगकर्ताओं तथा गाड़ी ड्राइवरों की दृष्यता में सुधार लाना शामिल हैं।

**गुड़गांवा जिले में रेल सुविधाओं की कमी**

851. **श्रीमती सुषमा स्वराज :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हरियाणा में जिला गुड़गांवा के तीन सब-डिवीजनों तथा गुड़गांव सब-डिवीजन की एक तहसील को अभी तक रेलवे लाइन से नहीं जोड़ा गया है;

(ख) क्या गुड़गांव शहर बादशाहपुर, भौंडसी, सोहना, तावडु, नूह और फिरोजपुर झिरका को जोड़ने वाली गुड़गांव से अलवर तक की रेलवे लाइन के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन है;

(ग) यदि हां, तो निर्माण कार्य कब तक आरंभ हो जाने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार इस क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए किसी प्रस्ताव पर विचार करेगी ?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन)** : (क) सब-डिवीजन/तहसील/जिले में रेल लाइनों से संबंधित सूचना नहीं रखी जाती है।

(ख) से (घ) जी नहीं। तथापि, पलवल - सोहना - भौंडसी - बादशाहपुर-गढ़ी हरसरु-झज्जर (192 कि० मी०) के रास्ते एक वैकल्पिक मार्ग सहित पलवल-सोहना-तावडु-रेवाड़ी झज्जर (210.88 कि०मी०) के रास्ते खुर्जा और रोहतक के बीच बड़ी रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण